कोटा के आरटीयू में छात्र की संदिग्ध मौत के अगले ही दिन हॉस्टल में निकला सांप

आरटीयू में स्नेक बाइट से एक छात्र की कथित मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ था, हालांकि विश्वविद्यालय प्रबंधन ने इसे कार्डियक अरेस्ट बताया था

- **स्नेक कैचर गोविंद शर्मा का कहना है कि धामन सांप (इंडियन रैट स्नेक) चार फीट लंबा था, जिसे पकड़ कर जंगल में रिलीज कर दिया**

कोटा, (निसं)। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (आरटीयू) में कथित स्नैक बाइट से छात्र की मौत के बाद शुक्रवार को कैंपस में धामन सांप (इंडियन रैट स्नेक) नजर आया, जिसके बाद छात्रों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में स्नेक कैचर गोविंद शर्मा को सांप के रेस्क्यू के लिए बुलाया गया। यह सांप बॉयज हॉस्टल के विक्रम साराभाई भवन के टॉयलेट में शुक्रवार सुबह नजर आया था। स्नेक कैचर गोविंद शर्मा का कहना है कि 4 फीट लंबा सांप था, जिसे उन्होंने पकड़ कर जंगल में रिलीज कर दिया है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को स्नेक बाइट से एक छात्र की कथित मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ था। हालांकि विश्वविद्यालय प्रबंधन ने इसे कार्डियक अरेस्ट बताया। दूसरी तरफ पुलिस इस पूरे मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही स्पष्ट होने की बात कह रही है। विद्यार्थी की मौत के बाद शुक्रवार को राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय में क्लास बंद रखी गई है। कुछ स्टूडेंट्स गेट के नजदीक आकर दोबारा धरने पर बैठ गए थे। ये थोड़ी देर ही चल पाया। इनमें से अधिकांश छात्र मांगें माने जाने के बाद रवाना हो गए।

स्टूडेंट पारस शर्मा का कहना है कि हॉस्टल व कॉलेज इंफ्रास्ट्रक्चर मरम्मत, डिस्पेंसरी 24 घंटे, एम्बुलेंस की मांग, साफ सफाई, खिड़की से सांप व अन्य कीड़े नहीं आएं। इन सब मांगों को वीसी प्रो. निमित्त रंजन चौधरी ने मान लिया है।

छात्र का कहना है कि उनकी एक डिमांड गर्ल्स हॉस्टल को लेकर भी थी। वहां टाइमिंग निर्धारित है, लेकिन इमरजेंसी में कहीं जाना है तो उन्हें अनुमति लेनी पड़ती है। यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसे आसान करवाने की बात कही गई है। गर्ल्स हॉस्टल के आसपास ही फैकल्टी के भी स्टाफ क्वार्टर बने हुए हैं। ऐसे में कभी इमरजेंसी हो तो गर्ल्स फैकल्टी से तत्काल मदद मांगने पर उन्हें मदद नहीं मिलती है। इस समस्या का समाधान भी प्रो. निमित्त रंजन चौधरी ने दिया है। इसके अलावा कुछ विद्यार्थी हॉस्टल में वाई फाई, स्पोर्ट्स के लिए बजट बढ़ाने और स्टूडेंट इलेक्शन की भी मांग कर रहे थे, लेकिन इन पर सहमति नहीं बनी है। अधिकांश विद्यार्थी उनके पक्ष में भी नहीं थे।

दंपती की हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

ग्रामीणों ने आरोपी को हाथ में हथियार लेकर नोहरे की तरफ जाते देखा था

- **अदालत ने अभियुक्त को 20 हजार के अर्थदंड की सजा भी सुनाई**
- **अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में 16 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए**

भीलवाड़ा, (निसं)। सेशन न्यायालय भीलवाड़ा के सेशन न्यायाधीश अभय कुमार जैन ने हमीरगढ़ थाना क्षेत्र के बहुचर्चित दंपती दोहरे हत्याकांड में त्वरित फैसला सुनाते हुए अभियुक्त देवीलाल कीर को दोषी ठहराया है। अदालत ने अभियुक्त को आजीवन कारावास और 20 हजार के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

लोक अभियोजक रघुनंदन सिंह कानावत ने बताया कि 13 अगस्त 2021 को प्रातः कीरो की झुपड़ियां, थाना हमीरगढ़ निवासी किशन लाल (35) पिता नारू जी कीर ने हमीरगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, उनके माता-पिता कंकू देवी व नारू जी हमेशा की तरह नोहरे में गायों का दूध निकालने गए थे। काफी देर तक वापस न लौटने पर जब पुत्र नोहरे में गया, तो वहां दोनों लहूलुहान हालत में मृत पड़े मिले। पुरानी रंजिश के चलते मोहल्ले के ही देवीलाल पिता हजारीजी कीर ने धारदार हथियार से वार कर दोनों की हत्या कर दी थी। ग्रामीणों ने भी अभियुक्त को हाथ में हथियार लेकर नोहरे की तरफ जाते देखा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया और न्यायालय में चालान पेश किया। लोक अभियोजक कानावत ने बताया कि सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 16 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए तथा 45 दस्तावेजी साक्ष्य प्रदर्शित किए गए। इसके अलावा पुलिस द्वारा बरामद किया गया खंजर, मोबाइल और रक्त रंजित कपड़े सहित 5 महत्वपूर्ण आर्टिकल्स अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए गए। मामले में सुनवाई के पश्चात सेशन न्यायाधीश ने अभियुक्त देवीलाल कीर को दोहरा हत्याकांड का दोषी माना और सजा सुनाई है।

सरकारी स्कूल में हुई चोरी की वारदात का पर्दाफाश

- **पुलिस टीम ने विधि से संघर्षरत दो नाबालिग बालकों को निरूद्ध किया**

कोटा, (निसं)। सांगोद थाना इलाके में स्थित सरकारी स्कूल में चोरी के मामले का पर्दाफाश करते हुए सांगोद पुलिस टीम ने विधि से संघर्षरत दो नाबालिग बालकों को निरूद्ध किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 7 अक्टूबर को फरियादिया ने सांगोद थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में रात्रि में स्थानीय विद्यालय की भौतिकी व रसायन की प्रयोगशाला में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी करके प्रयोगशाला की समस्त सामग्री बिजली फिटिंग व पंखे एवं अन्य कमरे का भी ताला तोड़कर अन्य स्टोर की सामग्री चुरा ली गई जिससे विद्यालय को बहुत बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादिया की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले का खुलासा करने के लिये सांगोद थानाधिकारी पवन कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया, गठित टीम ने घटनास्थल के आस-पास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का अवलोकन कर मुखबीरों से प्राप्त सूचना पर आरोपियों की पहचान की गई।टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए विधि से संघर्षरत दो नाबालिग बालकों को डिटेन कर अनुसंधान किया गया। अनुसंधान के दौरान दोनों विधि से सघर्षरत बालकों द्वारा पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विघालय सांगोद में चोरी करना बताया। इस पर दोनों विधि से संघर्षरत बालकों को निरुद्ध किया गया तथा निरुद्ध विधि से संघर्षरत बालकों के कब्जे से चोरी गया तांबे का तार (जला हुआ) को बरामद किया गया। बाद अनुसंधान दोनों विधि से संघर्षरत बालको को बाल संप्रेषण गृह कोटा में दाखिल करवाया गया।

कार की चपेट से बाइक सवार व्यक्ति की मौत

उदयपुर, (निसं)। सलूंबर जिले के सराडा थाना क्षेत्र के डींगरी गांव में कार की चपेट में आने से एक बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। घटना गुरुवार देर रात करीब 10 बजे की है।

जानकारी के अनुसार बंशीलाल और उसका साथी गणेशलाल मेघवाल रास्ते में टॉयलेट के लिए रुके थे। गणेशलाल टॉयलेट करने गया और बंशीलाल बाइक के पास खड़ा हो गया था। तभी बंशीलाल को एक तेज रफ्तार कार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वह उछलकर दूर मुंह के बल गिरा जिससे उसके चेहरे और सीने पर गंभीर चोट लगी। वहीं कार ड्राइवर मौके से फरर हो गया।

पुष्कर विधानसभा के ग्राम घूघरा में मतदान केन्द्र बदलने पर ग्रामीणों में आक्रोश

- **ग्रामीणों ने कलैक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर 3600 से अधिक मतदाताओं के लिए पुराना बूथ बहाल करने की मांग की**
- **ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांग पर विचार नहीं किया गया तो गांव के लोग चुनाव में मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय ले सकते हैं**

अजमेर, (निसं)। पुष्कर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत घूघरा में मतदान केंद्र बदले जाने का मामला तूल पकड़ने लगा है। वर्षों से राजकीय विद्यालय में मतदान करते आ रहे ग्रामीणों को अब अपना बूथ राजकीय विधि महाविद्यालय में स्थानांतरित किए जाने पर आपत्ति है। इसी के विरोध में शुक्रवार को ग्रामीणों ने कलैक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुराने मतदान केंद्र को बहाल करने की मांग उठाई। ग्रामीणों ने जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि घूघरा गांव के मुख्य मतदान केंद्र को पूर्व की तरह राजकीय विद्यालय में ही रखा जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांग पर विचार नहीं किया गया तो गांव के लोग चुनाव में मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय ले सकते हैं।

पूर्व जिला परिषद सदस्य श्रीलाल तंवर ने बताया कि घूघरा गांव का मुख्य मतदान केंद्र लंबे समय से राजकीय विद्यालय में संचालित होता रहा है। कोरोना काल के दौरान आसपास की कॉलोनियों के मतदाताओं की सुविधा के लिए अलग मतदान केंद्र बनाए गए थे। उस व्यवस्था पर ग्रामीणों को कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन हाल ही में जारी मतदान केंद्रों की सूची में गांव के मुख्य बूथ को राजकीय विद्यालय से हटाकर राजकीय विधि महाविद्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया। ग्रामीणों ने इस बदलाव पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मतदान केंद्र को स्थानांतरित करने का निर्णय राजनीतिक दबाव में लिया गया है। उन्होंने बूथ परिवर्तन की प्रक्रिया में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) और उपखंड अधिकारी (एसडीएम) स्तर पर मिलीभगत होने का आरोप भी लगाया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

ग्रामीणों का कहना है कि राजकीय विधि महाविद्यालय गांव से दूर स्थित है। वहां तक पहुंचने के लिए परिवहन और रास्ते की पर्याप्त सुविधा नहीं होने के कारण मतदाताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं, दिव्यांगजनों और कामकाजी लोगों के लिए मतदान केंद्र तक पहुंचना मुश्किल हो सकता है। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि मतदान केंद्र दूर होने से मतदाताओं को असुविधा होगी, जिसका असर मतदान प्रतिशत पर भी पड़ सकता है। उनका कहना है कि मतदान केंद्र निर्धारित करते समय मतदाताओं की सुविधा और गांव की भौगोलिक स्थिति को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ग्रामीणों ने प्रशासन के सामने प्रस्ताव रखा कि आसपास की नई कॉलोनियों के मतदाताओं के लिए राजकीय विधि महाविद्यालय में मतदान केंद्र रखा जा सकता है, जबकि घूघरा गांव के 3600 से अधिक मतदाताओं के लिए राजकीय विद्यालय में पुराने मतदान केंद्र को बहाल किया जाए। इससे गांव के लोगों को मतदान करने में सुविधा मिलेगी और अनावश्यक परेशानी से बचा जा सकेगा।

बिजली के पोल में करंट आने से तीन मवेशी मरे

टोंक, (निसं)। बिजली के खंभे में करंट लगने से दूनी थाना क्षेत्र की चांदसिंहपुरा ग्राम पंचायत की सुबेदारों की ढाणी में तीन भैंसों (मवेशियों) की मौत हो गई। हादसे में पशुपालक को करीब 3 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। सूचना मिलने पर बिजली निगम के कर्मचारी और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। इसके बाद बिजली आपूर्ति बंद कर खंभे में करंट उतरने की समस्या को दूर किया गया। ग्रामीणों ने हादसे के लिए बिजली निगम की कथित लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए पीड़ित पशुपालक को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

ग्रामीणो ने बताया कि आवां-दूनी रोड पर एक पेट्रोल पंप के नजदीक बिजली का खंभा लगा हुआ है। आरोप है कि करीब दस दिन पहले भी इस खंभे में करंट उतर आया था। उस समय स्पार्किंग से पास में रखे चारे में आग लग गई थी, जिसे ग्रामीणों ने बुझा दिया था। शुक्रवार को इसी खंभे में करंट उतरने से वहां से गुजर रहीं उनकी तीन भैंसें उसकी चपेट में आ गईं और उनकी मौत हो गई। इससे उन्हें करीब तीन लाख रुपए के पशुधन का नुकसान हुआ है।

हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

भीलवाड़ा, (निसं)। अधिवक्ता पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस प्रशासन की शिथिलता से नाराज जिला अभिभाषक संस्था भीलवाड़ा ने आर-पार की लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है। संस्था के अध्यक्ष उम्मेदसिंह राठौड़ के नेतृत्व में शुक्रवार को न्यायालय परिसर स्थित संस्था कार्यालय में आयोजित बैठक में आगामी सोमवार, 12 अक्टूबर को जिले की सभी अधीनस्थ अदालतों में संपूर्ण न्यायिक कार्य ठप रखने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

अध्यक्ष उम्मेदसिंह राठौड़ ने कहा कि अधिवक्ता गोविंद मानमिया पर हमला करने वाले मुख्य आरोपी दुर्गालाल उर्फ अक्षय गुर्जर उर्फ विक्रम की पहचान हो चुकी है। वारदात में उसका साथ देने वाली महिला मारुति देवी सांसी को पकड़ा जा चुका है, लेकिन मुख्य अभियुक्त अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर है।

उदयपुर के बोखाड़ा गांव में घुसा छह फीट लंबा मगरमच्छ

- **उदयपुर के सेमड़ गांव में भी श्मशान भूमि पर दिखा 10 फीट लंबा अजगर**

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर जिले के सायरा इलाके के बोखाड़ा गांव में बीती देर रात उस समय अफरा तफरी मच गई जब करीब छह फीट लंबा मगरमच्छ आबादी क्षेत्र में घुस आया। पास की नाडी से निकलकर मगरमच्छ गांव के बीच पंचायत के पास पहुंच गया। देर रात आबादी के बीच मगरमच्छ दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई।

जानकारी के अनुसार मगरमच्छ पास स्थित नाडी से निकलकर आबादी क्षेत्र में आ गया था। इसके बाद वह गांव में पंचायत के पास पहुंच गया। रात के समय गांव के बीच मगरमच्छ की मौजूदगी से ग्रामीणों में डर का माहौल बन गया। मगरमच्छ को देखने के लिए मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। इसके बाद ग्रामीणों ने वन्यजीव रेस्क्यू टीम को घटना की सूचना दी ताकि मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ा जा सके और किसी तरह की अनहोनी से बचा जा सके। सूचना मिलने पर वन्यजीव रेस्क्यू टीम के नारायण सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने स्थिति का जायजा लेने के बाद ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब दो घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद टीम ने मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ लिया और मगरमच्छ को गांव से दूर सायरा तालाब में छोड़ दिया।

वहीं सायरा के पास सेमड गांव में भटकेश्वर मंदिर के समीप श्मशान भूमि पर 10 फीट से लंबा अजगर दिखाई देने से ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद अजगर को काबू में किया। अजगर की लंबाई 10 फीट से ज्यादा बताई जा रही है। इतने बड़े अजगर को देखकर ग्रामीणों में कौतूहल के साथ चिंता भी बढ़ गई। इसके बाद ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी ताकि अजगर को सुरक्षित तरीके से पकड़ा जा सके। सूचना मिलने पर वन और वन्यजीव विंग से नारायण सिंह, जितेंद्र सिंह, वीरेंद्र सिंह, तेज सिंह और सुनील सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे। टीम ने अजगर को रेस्क्यू कर सुरक्षित क्षेत्र में छोड़ दिया।

श्रीसांवलियाजी सेठ मंदिर मंडफिया के दरबार का भंडार खोला

प्रथम चरण से 9 करोड़ 35 लाख 65 हजार रुपये निकले, दूसरे चरण की गिनती 12 अक्टूबर सोमवार को होगी

मंडफिया, (निसं)। प्रदेश का प्रमुख तीर्थ स्थल श्री सांवलिया सेठ मंडफिया के दरबार का भंडार 09 अक्टूबर शुक्रवार चतुर्दशी को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव की उपस्थिति में खोला गया। मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारीदास वैष्णव ने बताया कि शुक्रवार को प्रथम चरण में हुई भंडार गिनती से 9 करोड़ 35 लाख 65 हजार 100 रुपए नगद प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि भंडार की शेष रही राशि एवं भंडार से निकले सोने-चांदी का तोल होना बाकी है। शेष भंडार राशि की गिनती 12 अक्टूबर सोमवार को दूसरे चरण में की जाएगी। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारीदास वैष्णव, मंदिर सीईओ दिनेशचंद्र धाकड़, भाजपा जिला अध्यक्ष रतनलाल गाडरी, मंदिर बोर्ड सदस्य पवन तिवारी, किशन लाल अहीर, हरिराम गाडरी, प्रशासनिक अधिकारी राहुल धाकड़, राजेंद्र सिंह, लेखाधिकारी रामसिंह गुर्जर, मंदिर व संपदा प्रभारी भेरूगिरी गोस्वामी, कालू लाल तेली, मनोहर लाल शर्मा, भेरुलाल गुर्जर सहित मंदिर एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

भंडार गिनती में मंदिर अध्यक्ष वैष्णव, पदाधिकारी एवं मंदिर कर्मचारी मौजूद रहे।

मनोहरपुर में मंदिर भूमि विवाद को लेकर महंत का धरना पांचवें दिन भी लगातार जारी

मनोहरपुर, (निसं)। क्षेत्र स्थित मठेश्वरनाथ महादेव मंदिर की भूमि को लेकर चल रहा विवाद लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। मंदिर की भूमि बचाने और राजस्व रिकॉर्ड दुरुस्त कराने की मांग को लेकर मंदिर के महंत कबीरदास महाराज का धरना गुरुवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। मामले को लेकर लोगों में भी आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

महंत कबीरदास महाराज का कहना है कि वे करीब 45 वर्षों से मंदिर में पूजा-अर्चना एवं सेवा करते आ रहे हैं। उन्होंने मंदिर की भूमि से जुड़े खसरा नंबर 1140, 1141 और 1142 का निष्पक्ष सीमांकन कराने तथा खसरा नंबर 1141 व 1142 में हुए कथित गलत नामांतरण को निरस्त करने की मांग प्रशासन के समक्ष रखी है। महंत की ओर से दिए गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि मंदिर की देखरेख एवं पूजा-भोग से जुड़े मुरलीधर योगी के नाम दर्ज भूमि का नामांतरण कथित रूप से नियम विरुद्ध तरीके से किया गया। महंत ने पूरे राजस्व रिकॉर्ड की जांच कर मंदिर की भूमि की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

सूचना पर प्रशासनिक अधिकारी धरना स्थल पर पहुंचे और महंत से पूरे मामले की जानकारी ली। इस दौरान महंत एवं स्थानीय लोगों ने अपनी मांगों से अधिकारियों को अवगत कराया। अधिकारियों की ओर से मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया, लेकिन समाधान नहीं होने के कारण महंत ने धरना जारी रखने का निर्णय लिया। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव कुंवर दिगराज सिंह भी धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने महंत से मामले की जानकारी लेते हुए मंदिर की भूमि से जुड़े राजस्व रिकॉर्ड की निष्पक्ष जांच, तीनों खसरों का सीमांकन कराने तथा जांच में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की।

सीकर : तस्करों की मारपीट से युवक की मौत के मामले में पांच आरोपी पकड़े गये

मृतक संदीप पिलानिया एमडी तस्कर महेंद्र फोगावट के लिए काम करता था

- **हमला करने वालों में शामिल हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र लोसल और उसके साथी भी एमडी, अफीम की तस्करी का काम करते हैं, पिछले दिनों पुलिस ने संदीप को गिरफ्तार किया था**
- **पुलिस की सात टीमें अन्य आरोपियों की तलाश में अलग-अलग जगह दबिश दे रही है, वहीं, एसके हॉस्पिटल में मोर्चरी के बाहर चल रहा धरना 25 घंटे बाद समाप्त हुआ**

सीकर, (निसं)। सीकर में स्मैक और एमडी तस्करों की मारपीट में एक युवक की मौत के मामले में सदर थाना पुलिस ने पांच आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस की सात टीमें अन्य आरोपियों की तलाश में अलग-अलग जगह दबिश दे रही है। वहीं, एसके हॉस्पिटल में मोर्चरी के बाहर चल रहा धरना 25 घंटे बाद समाप्त हो गया है।

जानकारी के अनुसार घटना बुधवार देर रात भढाढर गांव की है। जीतपुरा का रहने वाला मृतक संदीप पिलानिया (29) पुत्र नेमीचंद पिलानिया अपने साथी प्रवीण, सोयल, आनंद, मोहित और मुकेश के साथ कैंपर गाड़ी लेकर 12:30 बजे भढाढर में वर्कशॉप से रवाना होकर पेट्रोल पंप की तरफ गया था। पेट्रोल नहीं मिलने पर वह नजदीक ही स्थित अन्य पेट्रोल पंप पर पेट्रोल लेने के लिए जा रहे थे। इस दौरान सामने से एक कैंपर गाड़ी ने संदीप की गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद संदीप की गाड़ी बंद हो गई। इसी दौरान दो कैंपर गाड़ी और एक स्कॉर्पियो आई, जिन्होंने संदीप की कैंपर को पीछे और साइड से टक्कर मारी। हमलावरों में नितेश उर्फ वीरू, उमेश उर्फ पोलक, हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र लोसल, अरबाज खान लक्ष्मणगढ़, कालू, सुमित सहित अन्य लोग थे। आनंद और संदीप के साथ गाड़ी में मौजूद प्रवीण, सोयल और मोहित मौके से भाग गए। इसके बाद हमलावरों ने संदीप और आनंद पर हमला करना शुरू कर दिया। संदीप पर बदमाशों ने फावड़े से हमला किया। इससे संदीप की मौके पर ही मौत हो गई। बदमाश उसे साइड में पटककर चले गए थे।

घटना के बाद परिजनों ने गुरुवार दोपहर तीन बजे से सीकर के एसके हॉस्पिटल में मोर्चरी के बाहर धरना शुरू कर दिया था। परिजनों की मांग थी कि आरोपियों की गिरफ्तारी होने पर ही शव का पोस्टमार्टम करवाएंगे। ऐसे में शुक्रवार को एडिशनल एसपी डॉ. तेजपाल सिंह, सीओ धोद राजेश कुमार ढाका ने परिजनों से वार्ता की। इसके बाद परिजन पोस्टमार्टम करवाने को तैयार हो गए।

गौरतलब है कि मृतक संदीप पिलानिया एमडी तस्कर महेंद्र फोगावट के लिए काम करता था। इसके साथ आनंद शर्मा, संजय धायल, सुनील पांड्या भी महेंद्र के ग्रुप में थे। दूसरी तरफ हमला करने वालों में शामिल हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र लोसल और उसके साथी भी एमडी, अफीम की तस्करी का काम करते हैं। पिछले दिनों पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में संदीप को गिरफ्तार किया था। ऐसे में उसे लग रहा था कि जितेंद्र लोसल और उसकी गैंग के लोगों ने मुखबिरी की और संदीप को पकड़ा दिया। इस बात को लेकर दोनों ग्रुप के बीच कई बार हॉटटॉक भी हुई थी। माना जा रहा है कि इसी बात को लेकर जितेंद्र ग्रुप ने महेंद्र फोगावट के ग्रुप के लोगों पर हमला किया था। फिलहाल सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही इस मर्डर के असल कारणों का पता लग सकेगा।

मामले में सीकर एएसपी डॉ. तेजपाल सिंह का कहना है कि फिलहाल पांच आरोपियों को डिटेन किया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए रेड जारी है।

अजमेर में प्रोफेसर से लूटपाट करने का आरोपी गिरफ्तार

- **बदमाश देर रात को रेलवे स्टेशन छोड़ने का झांसा देकर सुनसान इलाके में ले गए थे**
- **कॉलेज प्रोफेसर के दो हजार रुपये नकद और मोबाइल फोन छीन कर फरार हो गए थे बदमाश**

अजमेर, (निसं)। अजमेर में देर रात कॉलेज प्रोफेसर को रेलवे स्टेशन छोड़ने का झांसा देकर सुनसान इलाके में ले जाने और लूटपाट करने के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से प्रोफेसर से छीना गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें जुटी हुई हैं।

कोतवाली थानाधिकारी रामेश्वरी ने बताया कि रीजनल कॉलेज के प्रोफेसर वेद प्रकाश आचार्य भीलवाड़ा से अजमेर लौटे थे। देर रात करीब एक बजे बस स्टैंड पर उतरने के बाद वह अपने गंतव्य तक जाने के लिए ऑटो का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार कुछ युवक उनके पास पहुंचे और रेलवे स्टेशन जाने का रास्ता पूछने लगे। बातचीत के दौरान युवकों ने प्रोफेसर को रेलवे स्टेशन छोड़ने का भरोसा दिलाया। उनकी बातों में आकर प्रोफेसर उनके साथ चले गए। आरोपी प्रोफेसर को कचहरी रोड स्थित डीआरएम कार्यालय के पास एक सुनसान स्थान पर ले गए। वहां बदमाशों ने उनसे करीब दो हजार रुपये नकद और मोबाइल फोन छीन लिया तथा मौके से फरार हो गए। अचानक हुई इस घटना से प्रोफेसर सकते में आ गए। इसके बाद उन्होंने पुलिस को घटना की जानकारी दी। शिकायत के आधार पर कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित कर घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने और उनकी तलाश के प्रयास किए गए। इसी दौरान पुलिस को संदिग्ध के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। जांच के दौरान पुलिस ने पटेल स्टेडियम के बाहर घूम रहे अब्दुल सलीम उर्फ शाहरुख, निवासी इंदिरा कॉलोनी, अजमेर को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से प्रोफेसर से छीना गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। पुलिस अन्य संदिग्धों की तलाश में जुटी हुई है।